(iv) Repairs of sunshades.

(v) Others pertaining to day to day maintenance like repair of water taps, lines, chokage of taps & sewers, petty repairs like carpantry, Masonary, and electric fittings etc.

(c) (c) (i) Construction of boundary wall in some places has been undertaken to check tres-passing and spread of jhuggi clusters in certain localities.

(ii) Individual water tanks have been provided in a number of quarters in some areas for equitable distribution of water supply.

(iii) Day to day routine maintenance problems are solved as soon as possible.

(iv) Repairs to sunshades.

(d) (i) The problems are being solved by taking up the works of additional amenities after obtaining sanction of the competent authority and carrying out special repairs in addition to attending day-to-day maintenance jobs.

(ii) This is a continuing process and no time frame can be given. Moreover, the works are carried out subject to availability of funds.

पश्चिमी और उत्तरी राज्यों में पर्यटन की संभावनाओं का पता लगाने संबंधी योजनायें

373. **श्री गोविन्दराम मिरी:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पश्चिमी और उत्तरी राज्यों में पर्यटन की उन संभावनाओं का पता लगाने हेतु आठवीं पंच-वर्षीय योजना के दौरान कोई कदम उठाये हैं जिनका अभी तक दोहन नहीं किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) नौवीं पंच-वर्षीय योजना के दौरान कौन-कौन से विशेष कदम उठाये जाने का विचार है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) और (ख) जी, हां। आठवीं योजना के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों की गहन विकास के लिए पहचान की गई है:—

(1) जैसलमैर-जोधपुर-बीकानेर-बाड़मेर
(2) ऋषिकेश-नरेन्द्र नगर-गंगौत्री-बद्रीनाथ
(3) कुल्लू-मनाली-लेह
(4) मनाली (सोलांग नाला)
(5) कांगड़ा पौंग बांध
(6) विशेष पर्यटन क्षेत्र के रूप में सिंधुदुर्ग तथा दीव।

(ग) पर्यटक संभावाओं वाले क्षेत्रों की पहचान करना मुख्यतः राज्य सरकारों की जिम्मेवारी है तथा यह एक सतत प्रक्रिया है। तथापि, भारत सरकार, राज्य सरकारों से प्राप्त विशिष्ट प्रस्तावों पर, उनकी गुणवत्ता, पारस्परिक प्राथमिकता तथा धन की उपलब्धता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

लम्बित सिंचाई परियोजनाएं

374. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कई सिंचाई परियोजनाएं कई वर्षों से लम्बित पड़ी हैं;

(ख) यदि हां, तो ऐसी परियोजनाओं का नाम क्या है और ये कब-कब शुरू की गई थीं और इनमें विलम्ब के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार इन लम्बित परियोजनाओं का हल ढूंढने के लिए सांसदों की एक समिति गठित करने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०वी० रंगय्या नायडू): (क) और (ख) देश में स्वीकृति के लिए लंबित नई, बड़ी एवं मझौली सिंचाई परियोजनाओं का ब्यौरा देते हुए विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) ये परियोजनाएं केंद्रीय जल आयोग द्वारा परिचालित किए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार न